प्रो. राम देव भंडारी : महोदय, इस प्रकार की कोई परम्परा नहीं है । ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट बैठिए । ...(व्यवधान)... एक मिनट बैठिए । उन्होंने मुझे लैटर लिखकर दिया है, वह पढ़ कर सुना देता हूं । ...(व्यवधान)...सुनिए-सुनिए, इतनी जल्दी मत करिए भंडारी जी "Yesterday the Leader of the Opposition was identified to raise some points, but he was not allowed by Members of the Treasury ..... raise the issue and oblige".

मैं समझता हूं इसमें कोई आपत्ति नहीं हैं ।

प्रो. राम देव भंडारी : मुझे आपत्ति है मगर मैं आपकी आज्ञा का पालन कर रहा हूं ।

श्री सभापति : आप केवल मूव करिए । आप भाषण नहीं करेंगे, केवल प्रस्ताव मूव करेंगे ।

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS

DR. KARAN SINGH (NCT of Delhi): Sir, I beg to move:-

> That an Address be presented to the President in the following terms:
>
> "That the Members of the Rajya Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the President for the Address which he has been pleased to deliver to both Houses of Parliament assembled together on June 7, 2004"

...(Interruptions)...

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Sir, I second the motion .*(Interruptions)...*

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Not allowing Leader of Opposition to Complete his Speech on the Selection of the Council of Ministers

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) **:** माननीय सभापति महोदय, कल जिस समय माननीय प्रधान मंत्री जी अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों का परिचय करने के लिए यहां आए

थे तो नेता प्रतिपक्ष उनसे कुछ पूछना चाहते थें । उन्होंने आपसे बोलने की अनुमति मांगी और आपने अनुमति दी । सभापति जी, मुश्किल से वे तीन वाक्य ही बोले थे और उन्होंने कोई अनुचित टिप्पणी भी नहीं की थी, मगर सत्ताधारी दल की तरफ से शोर-शराबा शुरू हो गया । आप साक्षी हैं इस सदन के जब हम सत्ता दल में थें और यह संयोग है कि वर्तमान प्रधान मंत्री जी उस समय इस सदन के नेता प्रतिपक्ष थे । आज तक कभी नहीं हुआ कि डा. मनमोहन सिंह जी बोलने के लिए खड़े हुए हों और हम लोगों ने पिन ड्रॉप साइलेंस में उन्हें न सुना हों । अगर कोई उधर से खड़ा भी होना चाहता था तो हम तुरन्त इधर से बैठा देते थें । हर बार हमने नेता प्रतिपक्ष को बिल्कुल मौन रह कर सुना है । लेकिन कल तो एक अजीब दृश्य यहां उपस्थित हुआ, नेता प्रतिपक्ष तो बोल ही नहीं पाए । आप जानते हैं कि हमारे नेता प्रतिपक्ष कितनी शालीनता से अपनी बात रखते हैं । सदन की गरिमा का जितना ख्याल जसवंत सिंह जी रखते हैं, उतना शायद ही कोई सदस्य रखता होगा । वाणी का संयम, भाषा की शालीनता – ये सब बरकरार रखते हुए वे अपनी बात कहते हैं लेकिन उन्हें अपनी बात रखते ही नहीं दी गयी । इसलिए मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगी कि जब तक उस बात का कोई समाधानकारक उत्तर नहीं आ जाता, तब तक हम कैसे चर्चा को आगे बढ़ा सकते हैं ? आप नेता प्रतिपक्ष को अपनी बात कहने की अनुमति दें और उसका कोई समाधानकारक उत्तर आना चाहिए । महोदय, अभी आपने राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव रखवाया है, जिसे डा. कर्ण सिंह जी ने रखा है । उसी अभिभाषण के एक हिस्से में, पैरा 46 में सरकार ने भ्रष्टाचार से लड़ने का अपना दृढ़ निश्चय जताया है । उन्होंने कहा है कि हम भ्रष्टाचार का बड़े कारगर ढ़ग से उपाय करेंगे । तब कारगर ढ़ग से उपाय कैसे होगा ? ...(व्यवधान)...

प्रो.राम देव भंडारी (बिहार) : यह कहावत है कि नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली । ...(व्यवधान)...दर्जनों घोटाले आपके कार्यकाला में हुए हैं । ...(व्यवधान)...घोटाले वालों की सरकार थी । ...(व्यवधान)...सारे के सारे घोटाले उस सरकार के कार्यकाल में हुए हैं । यूटीआई घोटाला हुआ ...(व्यवधान)...

श्रीमति सुषमा स्वराज : आपने कहा है कि भ्रष्टाचार का कारगर ढ़ग से उपाय करेंगे ? ...(व्यवधान)... इस प्रकार के मंत्रिमंडल के रहते कारगर ढंग से भ्रष्टाचार ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : उनको यह सब कहने का कोई अधिकार नहीं है । ...(व्यवधान)...अभिभाषण पर बहस न हो, यही इनकी मंशा है । ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : कल जो उनके साथ हुआ, आज वह मेरे साथ हो रहा है । ...(व्यवधान)... महोदय, आदमी केवल अपनी छवि से नहीं जाना जाता ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र) : इन्हें आखिर सरकार में शामिल क्यों किया गया है ? ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : इनके पास कोई मुद्दा नहीं है, कोई ईश्यू नहीं है इसलिए इस तरह की बातें करते रहते हैं । ...(व्यवधान)... जनता ने इनको रिजेक्ट कर दिया है । ...(व्यवधान)... कोई ईश्यू नहीं है इनके पास । जनता के बीच में जाओं और पांच साल काम करके फिर आओं । ...(व्यवधान)...

श्रीमति सुषमा स्वराज : सभापति जी, आपने मुझे बोलने की अनुमति दी हैं । ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : जनता के बीच जाइए । ...(व्यवधान)...पांच साल के लिए जनता के बीच में जाइए । ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, आपने मुझें बोलने की अनुमति दी है । ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : जनता के बीच जाओ । यहां क्यों हल्ला करते हो ? जनता के बीच में जाओं । ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, आपने मुझे बोलने की अनुमति दी है । ...(व्यवधान)...इन्हें बैठाइये । ...(व्यवधान)...मुझे अपनी बात तो कहने दीजिए । ...(व्यवधान)... आपने मुझे अनुमति दी है । ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : जनता ने आपको रिजेक्ट कर दिया है । ...(व्यवधान)... ये फील गुड वाले हैं, अब फील बैड महसूस कर रहे हैं । ये फील गुड वाले थे ...(व्यवधान)... शोर मचा रहे हैं ...(व्यवधान)... ये उल्टी गंगा बहा रहे हैं । ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, आपने मुझे अनुमति दी है । ...(व्यवधान)...आप इन्हें बैठाइए । ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी : सर, ये सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं । ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : माननीय सदस्यों, एक मिनट। बैठिए, बैठिए, आप बैठ जाइए । ...(व्यवधान)...मैं सदन के ...(व्यवधान)... एक मिनट बैठिए । सदन के दोनो पक्ष के नेताओं से निवेदन करना चाहता हूं कि आप अपने सदस्यों से निवेदन करें कि वे वैल में न आयें । ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया (झारखंड) **:** महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : कल आए थें , इसलिए मैं कह रहा हूं । आप बैठ जाइए । मैं आपकी ही बात कह रहा हूं । ...(व्यवधान)... मैं आपकी ही बात कह रहा हूं । ...(व्यवधान)...

श्री बलबीर के. पुंज (उत्तर प्रदेश) : सर, यह बात नहीं ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम : चेयरमैन सर ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बैठ जाइयें। ...(व्यवधान)... मैं खड़ा हूं और आप बोल रहे हैं। यह बिलकुल नहीं होगा। आप बैठ जाइये। मैं आपको बतला रहा हूं, ...(व्यवधान)... आप बैठिए। आप माननीय सदस्य इतना ध्यान रखिए ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य इतना ध्यान रहे कि जब मैं चेयर से बोल रहा हूं तो इतनी तो मैं अपेक्षा करता हूं कि उस समय मुझे डिसटर्ब न करें। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम : सर, मैं निवेदन कर रहा हूं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप निवेदन न करें, निवेदन में भी तो डिस्टर्बेन्स है। इसको मैं समझता हूं। मैं इतना ही निवेदन कर रहा हूं कि आप यहां से बोल रहे हैं। मेरा सदन के माननीय सदस्यों से निवेदन हैं, खास तौर से लीडर से , कि वे सदन के वैल में कभी आने की चेष्टा न करें। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम : इस प्रकार से क्या सारी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप फिर बोल रहे हैं। ...(व्यवधान)... मिस्टर निरुपम मैं आपका नाम लेकर कह रहा हूं कि आप बैठिए, आप बैठ जाइए। आप बैठिए। ...(व्यवधान)... मैं कल की बात को लेकर ही कह रहा हूं। ...(व्यवधान)...

कुमारी मैबल रिबैलो (मध्य प्रदेश) : चेयरमैन सर, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप विदेश से आई हैं। अभी आप हाउस की बात को समझें। ...(व्यवधान)... मैं इसलिए कह रहा हूं कि आप लोग कल वैल में आए तो मुझे अच्छा नहीं लगा। मैं यह चाहता हूं कि हाउस में मेरे आने के बाद कभी वैल में न आएं और शांति से हाउस चलता रहे । ...(व्यवधान)... मैंने अहलुवालिया जी से निवेदन किया ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : मेरी सुनिए। आप बोलिए मत। ...(व्यवधान)...मैं यह निवेदन कर रहा हूं कि ...(व्यवधान)...आप बैठ जाइए और मुझे बीच में डिस्टर्ब मत करिए। मैं कल से यही कहे जा रहा हूं। मैं इसलिए निवेदन कर रहा हूं कि आप लोग अपनी बैंचों से जो कुछ कहना चाहें, कहें। ...(व्यवधान)...किसी को सुझाया नहीं था। ...(व्यवधान)... आप बोल लीजिए, मैं बैठ जाता हूं। ...(व्यवधान)... बोलिए। ...(व्यवधान)... यह क्या तमाशा है ? ...(व्यवधान)... आप हाउस को लाइटली न लें। मैं आपको बोलने का पूरा चांस दूंगा। जो भी बोलना चाहेगा उसको बोलने दूंगा। सब को बोलने के लिए कहूंगा। सुषमा जी बोल रही थीं। उनको बोलने नहीं दिया गया। आपकी मर्जी के बाद मैंने प्रस्ताव रखवा दिया

हैं । प्रस्ताव रखने के बाद यदि कोई वैल में आकर मुझे बताना चाहे तो मैं इतना ही कह सकता हूं ...(व्यवधान)... कि यह बड़ी हैरानी की बात है । ...(व्यवधान)... आप किसी को भी दबाएं, मुझे दबाएं या सकरार को दबाए या कोलिशन गवर्नमेंट को दबाएं । वैल में आना मैं किसी भी प्रकार से उचित नहीं समझता ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : वैल भी सदन का हिस्सा है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : सदन का हिस्सा है तो यह कुर्सी भी सदन का हिस्सा है ...(व्यवधान)... मेरी वाली कुर्सी भी सदन का हिस्सा है ...(व्यवधान)... उठाकर फैंक दीजिए ...(व्यवधान)... निवेदन कर दीजिएगा ...(व्यवधान)... यह नहीं होगा ...(व्यवधान)...इसलिए मैं इतना ही निवेदन करना चाहता हूं कि आप सुषमा जी को बोलने दीजिए ...(व्यवधान)...बोलने के बाद क्या नतीजा है, वह देखेंगे ...(व्यवधान)... इसमें क्या आपत्ति है ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिमी बंगाल) **:** सभापति जी, जरा संक्षेप में बोलने के लिए कहिए ...(व्यवधान)... सदन का ...(व्यवधान).... Sir, there must be some time limit ...*(Interruptions)*... There should not be another debate ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, आपने हम सभी से, सदन के दोनों पक्षों के सांसदों से चाहा है कि वेल में नहीं आएं । हम निश्चित तौर से आपकी इच्छा का आदर करते हैं और मैं निश्चित तौर पर चाहूंगी कि हमारे सदस्य वैल में नहीं आएं,लेकिन आपने कहा कि आपके यहां पीठासनी होने के बाद कभी कोई वैल में नहीं आया, तो मैं आपकी याद ताजा करा दूं कि स्वयं लालू यादव जी वहां तौलिया बिछाकर वैल में बैठे थे और धरना दिया था ...(व्यवधान)...धरना दिया था ...(व्यवधान)...

श्री सभपति : मेरे आने के बाद ?

श्रीमती सुषमा स्वराज : जी, आपके आने के बाद ।

श्री सभापति : मेरे आने के बाद ?

श्रीमती सुषमा स्वराज : जी, आप ही थे । पीठासीन अधिकारी आप ही थे ...(व्यवधान)... धरना दिया था ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : इसका मतलब ...(व्यवधान)... एक मिनट बैठिए ...(व्यवधान)... इसका मतलब यह है कि लालू जी ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए ...(व्यवधान)... इसका मतलब यह है कि लालू यादव जी ने जो किया, वह आप करना चाहते हैं ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : हम नहीं करना चाहते ...(व्यवधान)... मैं यही कहना चाहती हूं ...(व्यवधान)... मैं केवल सदन के सांसदों की याद ताजा करा रही थी

...(व्यवधान)... हम लालू जी का काम तो कर ही नहीं सकते ...(व्यवधान)... सभापति जी, लालू यादव जी का कार्य अनुकरणीय नहीं है ...(व्यवधान)... अगर उनका कार्य अनुकरणीय होगा तो इस तरह के फर्रे हमारे लिए भी लगेंगे ...(व्यवधान)... उनका आचरण कतई अनुकरणीय नहीं है ...(व्यवधान)... मैं केवल सांसदों की याद ताजा करा रही थी ...(व्यवधान)... उन्होंने जो किया वह हम नहीं करने वाले हैं ...(व्यवधान)... मैं केवल याद ताजा कर रही ...(व्यवधान)...

श्री राजू परमार (गुजरात) : सुषमा जी चैलेंज कर रही हैं ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: There are eighty-six Amendments to the Motion which may be moved at this stage *...(Interruptions)...* Amendments number 1 to 5, Shri Rama Shanker Kaushik *...(Interruptions)...* Then, Shri Rajkumar Dhoot *...(Interruptions)...*

श्रीमती सुषमा स्वराज : अमेंडमेंट्स कैसे ...(व्यवधान)... आपने मुझे पहले बोलने का मौका दिया है ...(व्यवधान)... आप बोल रहे है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : मैं आपको बुलवाऊंगा ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : अभी मेरी बात कहां हुई ? अमेंडमेंट्स कैसे आ जाएंगे ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आपकों बोलने का टाइम मिलेगा ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : अमेंडमेंट्स कैसे आ जाएंगे ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आपको बोलने का मौका मिलेगा ...(व्यवधान)... टाइम दूंगा बोलने का ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, प्रस्तावक ने प्रस्ताव रखा दिया, अनुमोदन हो गया ...(व्यवधान)... अमेंडमेंट्स से पहले आपने मुझे बुलाया है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बोलिए न ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : मुझें बोलने नही दे रहे हैं ...(व्यवधान)...मैं तो आपसे केवल इतना चाह रही हूं कि ...(व्यवधान)...

श्रीमती सरोज दुबे (बिहार) : सभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप उनको बोलने दीजिए ...(व्यवधान)...

श्री राजू परमार : सभापति जी, आपकों भी चैंलेंज कर रही है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : माननीय सदस्य उनको बोलने दीजिए ...(व्यवधान)... कोई भी माननीय सदस्य बोले ...(व्यवधान)... आप क्या बोलते हैं, कोई अंदाजा लगा सकता है क्या ? ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं चैलेंज नहीं कर रही हूं ...(व्यवधान)... मैं निवेदन कर रही हूं ...(व्यवधान)... मुझे मालूम है कि सदन की गरिमा और संसद के नियम क्या हैं ...(व्यवधान)... सभापति जी, मैं आपसे केवल यह निवेदन कर रही थी कि ...(व्यवधान)... मैं केवल मात्र आप से इतना निवेदन कर रही थी कि कल नेता प्रतिपक्ष ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप बैठ जाइए ...(व्यवधान)... आप बैठिए, बैठिए, बैठिए, आप बोलिए।

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदय, मेरा केवल मात्र आपसे इतना निवेदन है कि कल जिस समय प्रधान मंत्री यहां आए थे, नेता प्रतिपक्ष उन से कुछ पूछना चाहते थें, लेकिन वह बात अधूरी रह गयी क्योंकि उन्होंने तीन वाक्य बोले ...(व्यवधान)... इसीलिए मैं वहीं से सूत्र पकड़ रही हूं। प्रधान मंत्री जी को बुलावाइए, उन के सामने नेता प्रतिपक्ष अपनी बात रखें और उस बात का समाधानकारक उत्तर आए। उस के बाद चर्चा हो सकेगी, उस से पहले चर्चा नहीं हो सकेगी। ...(व्यवधान)... हमारा कल का कार्य अधूरा है। प्रधान मंत्री जी को बुलावाइए, नेता प्रतिपक्ष उन से कुछ पूछना चाहते हैं। वह अपनी बात रखेंगे ...(व्यवधान)... समाधानकारक उत्तर देंगे तब चर्चा शुरू हो सकेगी, उस से पहले चर्चा शुरू नहीं हो सकती। ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री के अलावा कोई उत्तर नहीं दे सकता। ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री जी आएं, नेता प्रतिपक्ष उन के सामने अपनी बात रखें, वह समाधानकारक उत्तर दे तब चर्चा हो सकती है। उस के बिना चर्चा नहीं हो सकती। यह आप से मेरी मांग है। प्रधान मंत्री को बुलवाइए और नेता प्रतिपक्ष को उन की बात रखने दीजिए। ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री को बुलाइए।

श्री एस. एस. अहलुवालिया : प्रधान मंत्री आकर सुनें। ...(व्यवधान)... वह इस सदन के नेता भी हैं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : जब तक कल की कार्यवाही पूरी नहीं हो जाती, आज की कार्यवाही शुरू नहीं हो सकती। ...(व्यवधान)... पिछले दिन का अधूरा कार्य carry forward होता है। यह कल का बकाया है। सभापति जी, यह कल का बकाया कार्य है। प्रधान मंत्री आएं, नेता प्रतिपक्ष अपनी बात रखें , हमारा समाधान होगा तो चर्चा होगी। अगर हमारा समाधान नहीं हुआ तो चर्चा नहीं होगी। इसलिए प्रधान मंत्री जी को बुलवाइए। ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री जी को बुलवाइए, फिर नेता प्रतिपक्ष अपनी बात रखेंगे तब चर्चा होगी। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : सदन की कार्यवाही कल प्रातः 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at twenty-three minutes past eleven of the clock till eleven of the clock on Wednesday, the 9th June, 2004.